No. of Printed Pages/Questions: 9/15

O. P. JINDAL SCHOOL, SAVITRI NAGAR

Half Yearly Examination - (2024 – 2025) SET B

Class: X **MM: 80**

Subject: HINDI **Time: 3Hrs.**

सामान्य निर्देश–

(1) इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– खंड 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'। खंड 'क' में अपठित बोध पर आधारित बहुविकल्पीय व लघूत्तरात्मक और खंड 'ख' में व्यावहारिक व्याकरण संबंधी लघूत्तरात्मक प्रश्न दिए गए हैं।

(2) खंड 'ग' में पाठ्य–पुस्तक व पूरक पाठ्यक्रम पर आधारित प्रश्न तथा खंड 'घ' में रचनात्मक लेखन संबंधी दीर्घ– उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रश्न–पत्र के चारों खंडों में प्रश्नों की संख्या 15 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(3) यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।

खंड 'क' अपठित बोध (14 अंक)

1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1X3+2X2=7

समय वह संपत्ति है जो प्रत्येक मनुष्य को ईश्वर की ओर से मिली है। जो लोग इस धन को संचित रीति से बरतते हैं, वे शारीरिक सुख और आत्मिक आनंद प्राप्त करते हैं। इसी समय संपत्ति के सदुपयोग से एक जंगली मनुष्य सभ्य और देवता स्वरूप बन जाता है। इसी के द्वारा मूर्ख विद्वान, निर्धन धनवान और अज्ञ अनुभवी बन सकता है। संतोष, हर्ष या सुख मनुष्य को प्राप्त नहीं होता है जब तक वह उचित, रीति से समय का सदुपयोग नहीं करता है। समय निःसंदेह एक रत्न राशि है, जो कोई उसे अपरिमित और गणित रूप से अंधाधुंध व्यय करता है, वह दिन–दिन अकिंचन, रिक्तहस्त और दरिद्र होता जाता है। वह आजीवन खिन्न और भाग्य को कोसता रहता है। मृत्यु भी उसे इस जंजाल और दुःख से छुड़ा नहीं सकती है, प्रत्युत् उसके लिए मृत्यु का आगमन मानव अपराधी के लिए गिरफ्तारी का वारंट है। सच तो यह है कि समय नष्ट करना एक प्रकार की आत्महत्या है।

अंतर केवल इतना ही है कि आत्महत्या सदा के लिए जीवन जंजाल छुड़ा देती है और समय के दुरुपयोग से एक निर्दिष्ट काल तक जीवन मृत्यु की दशा बनी रहती है। ये ही मिनट, घंटे और दिन प्रमाद और अकर्मण्यता में बीतते जाते हैं। यदि मनुष्य विचार करे, गणना करे तो उसकी संख्या महीनों तथा वर्षों तक पहुँचती है। यदि उससे कहा जाता है कि तेरी आयु से दस–पाँच वर्ष घटा दिए जाए तो निःसंदेह उसके हृदय पर भारी आघात पहुँचता है, परंतु वह स्वयं निश्चेष्ट बैठे अपने अमूल्य जीवन को नष्ट कर रहा है और क्षय एवं विनाश पर कुछ भी शोक नहीं करता है। यद्यपि समय की निरुपयोगिता आयु को घटाती है, परंतु यही हानि होती तो अधिक चिंता की बात न थी। कारण संसार में सबको दीर्घायु प्राप्त नहीं होती है, परंतु सबसे बड़ी हानि जो समय की दुरुपयोगिता एवं अकर्मण्यता से होती है, वह यह कि पुरुषार्थहीन और निरीह पुरुष के विचार अपवित्र और दूषित हो जाते हैं।

वास्तव में बात तो यह है कि मनुष्य कुछ–न–कुछ करने के लिए ही बनाया गया है। जब चित्त और मन लाभदायक कर्म में विलीन नहीं होते, तब उनका झुकाव बुराई और पाप की ओर अवश्य हो जाता है। इस हेतु यदि मनुष्य सचमुच ही मनुष्य बनना चाहता है तो सब कर्मों से बढ़कर श्रेष्ठ कार्य उसके लिए यह कि वह एक पल भी व्यर्थ न खोए। प्रत्येक कार्य के लिए पृथक् समय और प्रत्येक समय के लिए पृथक् कार्य निश्चित करे।

I समय के सदुपयोग के लाभ हैं

(i) संतोष की प्राप्ति (ii) सुख की अनुभूति

(iii) देवस्वरूप स्थिति (iv) ये सभी

कूट

(क) कथन (i) और (ii) सही हैं। (ख) कथन (iii) और (i) सही हैं।

(ग) कथन (ii) और (iii) सही हैं। (घ) केवल कथन (iv) सही है।

II समय के दुरुपयोग की सबसे बड़ी हानि क्या है?

(क) रूप–सौंदर्य की हानि (ख) स्वास्थ्य की हानि

(ग) धन की हानि (घ) पौरुष की हानि

III हम समय का सदुपयोग कर सकते हैं।

(क) प्रतिदिन पढ़–लिखकर (ख) सुबह–सवेरे भ्रमण से

(ग) प्रत्येक कार्य के समय निर्धारण से (घ) घड़ी खरीदकर

IV व्यक्ति दरिद्र कब होता जाता है ?

V गद्यांश के अनुसार, व्यक्ति के हृदय पर गहरा आघात कब पहुँचता है ?

2. **निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

1X3+2X2=7

ऊँचे पहाड़ पर
पेड़ नहीं लगते
पौधे नहीं उगते
न घास ही जमती है।
जमती है सिर्फ़ बर्फ़
जो, कफ़न की तरह सफेद और
मौत की तरह ठंडी होती है।
खेलती, खिल–खिलाती नदी
जिसका रूप धारण कर

अपने भाग्य पर बूँद बूँद रोती है।
ऐसी ऊँचाई
जिसका परस
पानी को पत्थर कर दे
ऐसी ऊँचाई
जिसका दरस हीन भाव भर दे
अभिनंदन की अधिकारी है
आरोहियों के लिए आमंत्रण है
उस पर झंडे गाड़े जा सकते हैं
किंतु कोई गौरैया
वहाँ नीड़ नहीं बना सकती
ना कोई थका–माँदा बटोही
उसकी छाँव में पलभर
पलक ही झपका सकता है।
सच्चाई यह है कि
केवल ऊँचाई ही काफी नहीं होती
सबसे अलग–थलग
परिवेश से पृथक्
अपनों से कटा–बँटा
शून्य में अकेला खड़ा होना
पहाड़ की महानता नहीं
मज़बूरी है।
ऊँचाई और गहराई में
आकाश–पाताल की दूरी है।

I **कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए।**

कथन (A) जो कफन की तरह सफेद और मौत की तरह ठंडी होती है।

कारण (R) पर्वत पर बर्फ नहीं जमती।

(क) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) गलत है

(ख) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) सही व्याख्या करता है

(घ) कथन (A) सही है और कारण (R) सही व्याख्या नहीं करता है

II सच्चाई यह है कि केवल ऊँचाई ही काफी नहीं होती सबसे अलग–अलग परिवेश से पृथक् अपनों से कटा बँटा शून्य में अकेला खड़ा होना। उपर्युक्त पंक्ति में कवि के मन की कौन–सी भावना व्यक्त हुई है?

(क) ऊँचाई पर पहुँचने का गर्व

(ख) ऊँचाई पर पहुँचने की प्रसन्नता

(ग) ऊँचाई पर पहुँचने के कारण सबसे कट जाने का क्षोभ

(घ) उपर्युक्त सभी

III 'आकाश' का विलोम शब्द है

(क) धरती (ख) पृथ्वी

(ग) गगन (घ) पाताल

IV जीवन में अधिक ऊँचाइयों पर पहुँच जाने से मनुष्य पर क्या प्रभाव पड़ता है और वह कैसा व्यवहार करने लगता है?

V- कवि की दृष्टि में बहुत ऊँचाइयों तक पहुँचना किसका प्रतीक है?

खंड 'ख' व्यावहारिक व्याकरण (16 अंक)

3 **रचना के आधार पर वाक्य भेद पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार पश्नों के उत्तर दीजिए–** **1X4=4**

I अपने आत्मकथ्य के बारे में मन्नू भंडारी ने उन व्यक्तियों और घटनाओं के बारे में लिखा है जो उनके लेखकीय जीवन से जुड़े हैं। (रचना के आधार पर वाक्य–भेद लिखिए)

II हालदार साहब को उधर से गुजरते समय मूर्ति में कुछ अंतर दिखाई दिया। (इस वाक्य को मिश्र वाक्य में बदलिए।)

III नवाब साहब ने खिड़की से बाहर देखा और दीर्घ श्वास लिया। (वाक्य को साधारण वाक्य में बदलिए।)

IV उनकी बगल में बैठे–बैठे आइने में अपना मुँह निहारा करते थे। (वाक्य को संयुक्त वाक्य में बदलिए।)

V ऊपर की तसवीर से यह नहीं माना जाए कि बालगोबिन भगत साधु थे। (रचना के आधार पर वाक्य–भेद लिखिए)

4 वाच्य पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **1X4=4**

I नवाब साहब ने सतृष्ण आँखों से खीरे की फाँकों की ओर देखा। (वाक्य को कर्मवाच्य में बदलिए।)

II निराला ने फागुन के प्रभाव को अभिव्यक्त किया है। (वाक्य में कौन–सा वाच्य है ?)

III ऋषि जमदग्नि ने अपनी कामधेनु गाय देने से मना कर दिया। (वाक्य को कर्मवाच्य में बदलिए।)

IV भाववाच्य का उदाहरण एक वाक्य बनाकर दीजिए।

V पक्षी बाग छोड़कर नहीं उड़े। (वाक्य को भाववाच्य में बदलिए।)

5 पद परिचय पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **1X4=4**

I स्वाद के आनंद में पलकें मुँद गईं। रेखांकित पद का परिचय दीजिए।

II बालगोबिन भगत मँझोले कद के गोरे–चिट्टे आदमी थे। रेखांकित पद का परिचय दीजिए।

III शीला अग्रवाल को कॉलेज वालों ने नोटिस दे दिया। रेखांकित पद का परिचय दीजिए।

IV नवाब साहब थककर लेट गए। रेखांकित पद का परिचय दीजिए।

V विज्ञान का विद्यार्थी न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण से परिचित है। रेखांकित पद का परिचय दीजिए।

6 अलंकार पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **1X4=4**

I 'कहीं साँस लेते हो घर–घर भर देते हो।' पंक्ति में कौन–सा अलंकार निहित है ?

II 'कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा'– पंक्ति में कौन–सा अलंकार निहित है ?

III 'प्रीति–नदी में पाउँ न बोर्‌यौ'– पंक्ति में कौन–सा अलंकार निहित है ?

IV उत्प्रेक्षा अलंकार का एक उदाहरण लिखिए।

V अतिश्योक्ति अलंकार का एक उदाहरण लिखिए।

खंड 'ग' पाठ्यपुस्तक व पूरक पाठ्यपुस्तक (30 अंक)

7. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए– 1X5=5

शीला अग्रवाल ने साहित्य का दायरा ही नहीं बढ़ाया था बल्कि घर की चारदीवारी के बीच बैठकर देश की स्थितियों को जानने–समझने का जो सिलसिला पिता जी ने शुरू किया था, उन्होंने वहाँ से खींचकर उसे भी स्थितियों की सक्रिय भागीदारी में बदल दिया। सन् 46–47 के दिन... वे स्थितियाँ, उसमें वैसे भी घर में बैठे रहना संभव था भला? प्रभात फेरियाँ, हड़तालें, जुलूस, भाषण हर शहर का चरित्र था और पूरे दमखम और जोश–खरोश के साथ इन सबसे जुड़ना हर युवा का उन्माद। मैं भी युवा थी और शीला अग्रवाल की जोशीली बातों ने रगों में बहते खून को लावे में बदल दिया था। स्थिति यह हुई कि एक बवंडर शहर में मचा हुआ था और एक घर में।

पिता जी की आजादी की सीमा यहीं तक थी कि उनकी उपस्थिति में घर में आए लोगों के बीच उठूँ–बैठूँ, जानूँ–समझूँ। हाथ उठा–उठाकर नारे लगाती, हड़तालें करवातीं, लड़कों के साथ शहर की सड़कें नापती लड़की को अपनी सारी आधुनिकता के बावजूद बर्दाश्त करना उनके लिए मुश्किल हो रहा था तो किसी की दी हुई आजादी के दायरे में चलना मेरे लिए। जब रगों में लहू की जगह लावा बहता हो तो सारे निषेध, सारी वर्जनाएँ और सारा भय कैसे ध्वस्त हो जाता है, यह तभी जाना और अपने क्रोध से सबको थरथरा देने वाले पिता जी से टक्कर लेने का जो सिलसिला तब शुरू हुआ था, राजेंद्र से शादी की, तब तक वह चलता ही रहा।

I देश की आजादी के आंदोलन में लेखिका ने क्या–क्या कार्य किए थे ?

(क) जुलूस में भाग लिया

(ख) भाषण दिया

(ग) विद्यालय में छात्राओं से हड़ताल करवाई

(घ) उपर्युक्त सभी

II कथन (i) लेखिका ने देश की आजादी के आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया।

कथन (ii) शीला अग्रवाल ने लेखन के प्रति लेखिका की रुचि पैदा की थी।

कथन (iii) लेखिका के पिताजी के मित्र की विचारधारा बड़ी ही सकुंचित थी।

उपर्युक्त कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए

(क) कथन **(i)** सही है, किंतु **(ii)** और **(iii)** गलत हैं।

(ख) कथन **(i)** गलत है, किंतु **(ii)** और **(iii)** सही हैं।

(ग) कथन **(i)** और **(ii)** सही हैं, किंतु **(iii)** गलत है।

(घ) कथन **(i)** और **(ii)** और **(iii)** तीनों सही हैं।

III लेखिका के घर में कौन–सा बवंडर मचा हुआ था ?

(क) लेखिका तथा उनके पिता के मध्य टकराहट होना

(ग) लेखिका के परिवार का उसके विरुद्ध होना

(ख) लेखिका के घर में खाने के लाले पड़ना

(घ) आर्थिक तंगी का बहुत अधिक बढ़ जाना

IV गद्यांश के अनुसार लेखिका के पिता उससे क्या चाहते थे ?

(क) लेखिका उनकी उपस्थिति में घर आए लोगों के बीच उठे–बैठे।

(ख) लेखिका घर की चाहरदीवारी तक ही सीमित रहे।

(ग) देश में घट रही स्थितियों से अनजान बनी रहे।

(घ) लड़कों से अधिक बातचीत न करे।

V 'रंगों में खून की जगह लावा बहने' से क्या तात्पर्य है ?

(क) अत्यधिक जोश एवं उत्साह होना

(ख) उग्रवादी विचारधारा का होना

(ग) संवेदनशील बने रहना

(घ) विरोधी स्वभाव का होना

8 **गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 से 40 शब्दों में लिखिए–** **2X3=6**

I बालगोबिन भगत के बेटे के बारे में लेखक ने क्या बताया है ? भगत उससे अधिक प्यार क्यों करते थे ?

II हालदार साहब के चरित्र की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

III 'ज्ञानचक्षु खुल गए ! पहचाना– ये हैं नई कहानी के लेखक !' लेखक ने ऐसा क्यों सोचा ?

IV 'एक कहानी यह भी' पाठ से हमें क्या शिक्षा मिलती है ?

9 **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए–**

1X5=5

बादल, गरजो!
घेर घेर घोर गगन, धाराधर ओ!
ललित ललित, काले घुँघराले,
बाल कल्पना के–से पाले,
विद्युत–छबि उर में,
कवि; नवजीवन वाले !
वज्र छिपा, नूतन कविता
फिर भर दो–बादल गरजो !

I **कथन (A) बादल बाल कल्पनाओं के समान हैं।**

कथन (B) आकाश में बादलों का आकार और स्थान स्थिर नहीं होता है।

(क) कथन **(A)** सही है, किंतु कथन **(B)** गलत है

(ख) कथन **(A)** सही है और कथन **(B)** सही कथन है

(ग) कथन **(A)** गलत है और कथन **(B)** सही है

(घ) कथन **(A)** सही है और कथन **(B)** आंशिक रूप से सही हैं।

II कवि बादलों से क्या आग्रह कर रहा है ?

(क) बरसने का (ख) छाए रहने का

(ग) कड़कड़ाने का (घ) ये सभी

III कवि के अनुसार बादलों के भीतर क्या छिपा हुआ है ?

(क) बिजली की कड़क (ख) पानी

(ग) रहस्य (घ) काली घटा

IV कवि ने बादलों को किसके समान सुंदर बताया है ?

(क) केशों के (ख) आसमान के

(ग) वर्षा के (घ) इनमें से कोई नहीं

V कवि के अनुसार, नूतन कविता कैसी होनी चाहिए ?

(क) संपूर्ण संसार में जोश भर देने वाली

(ख) संपूर्ण संसार को नीरवता से भर देने वाली

(ग) संपूर्ण संसार का अंत कर देने वाली

(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

10 **पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 से 40 शब्दों में लिखिए–** **2X3=6**

I गोपियों ने उद्धव से योग की शिक्षा कैसे लोगों को देने की बात कही है ?

II परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष टूट जाने के लिए कौन–कौन–से तर्क दिए ?

III कवि जयशंकर प्रसाद अपने मन रूपी भौंरे से क्या कह रहे हैं ?

IV 'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर वसंत ऋतु की शोभा का वर्णन कीजिए।

11 **पूरक पाठ्यपुस्तक के आधार पर निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 से 80 शब्दों में लिखिए–** **4X2=8**

I भोलानाथ और उसके दोस्तों के खेल आज के बच्चों के खेलों से किस रूप में भिन्न हैं ? आपको दोनों में से कौन–से खेल अधिक पसंद हैं और क्यों ?

II एक कृतिकार के लेखन और रचना के पीछे क्या–क्या कारण हो सकते हैं ? 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

III 'माता का अँचल' पाठ जैसा वात्सल्य क्या वर्तमान की भागती–सी व्यस्त ज़िंदगी में भी देखने को मिलता है ? इस प्रश्न के उत्तर में उपयुक्त तर्क भी दीजिए।

खंड 'घ' रचनात्मक लेखन (20 अंक)

प्र012 दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 100 से 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए–

6X1=6

क **इंटरनेट की दुनिया–** भूमिका, भारत एवं विश्व में इंटरनेट की स्थिति, इंटरनेट के लाभ, इंटरनेट के दुष्परिणाम, उपसंहार

ख **परोपकार ही सच्चा धर्म–** परोपकार का अर्थ, मनुष्य का उत्तम गुण, प्रकृति से उदाहरण, सच्चे आनंद का स्रोत

ग **मनोरंजन के आधुनिक साधन–**मनोरंजन का तात्पर्य, मनोरंजन के साधन, मनोरंजन की आवश्यकता

प्र013 आप मनु शर्मा हैं। आपने महसूस किया है कि आपके मित्र का स्वभाव, बोलने का तरीका दिन–प्रतिदिन उग्र होता जा रहा है। संयमित व्यवहार और मीठी वाणी का महत्त्व बताते हुए उसे लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

अथवा

डॉक्टरों की बढ़ती फीस व दवाइयों की बढ़ती कीमत पर चिंता व्यक्त करते हुए किसी प्रतिष्ठित समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। **5X1=5**

प्र0 14 आप धनुश्री/धनुष हैं। आपको समाचार पत्र से पता चला है कि स्थानीय नवोदय विद्यालय में प्राथमिक शिक्षक का पद रिक्त है। आप इस पद के लिए योग्य उम्मीदवार हैं और अपनी सेवा देने के इच्छुक भी हैं। उक्त पद के लिए नवोदय विद्यालय के प्रमुख को आवेदन भेजने हेतु अपना एक स्ववृत्त लिखिए।

अथवा

आप सुनीता/सुरेश हैं। आपने ऑनलाइन खरीददारी करके कुछ कपड़े खरीदे थे। कपड़ों की गुणवत्ता आपकी आवश्यकताओं के अनुकूल न होने के कारण आपने उन्हें वापस कर दिया परंतु 10 दिन बीत जाने पर भी आपकी रकम वापस नहीं आई है। संबंधित कंपनी के ग्राहक सेवा कक्ष (कस्टमर सर्विस सेल) को ई–मेल द्वारा अपनी समस्या से अवगत कराइए। **5X1=5**

प्र0 15 आप अपना पुराना स्मार्ट फोन बेचना चाहते हैं। उससे संबंधित एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

अथवा

आपके मित्र ने नीट की परीक्षा में राज्य में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। उसे बधाई देते हुए लगभग 80 शब्दों में एक बधाई संदेश लिखिए। **4X1=4**

–––00–––